हरिभूमि
सीहोर भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, शनिवार 30 मई 2026

06 बदइंतजामी: निर्माण के बाद से ही बंद पड़े शौचालय...

07 ऑपरेशन 'बेल टू जेल': 27 की जमानत निरस्त कर...

खबर संक्षेप

ट्रेनों के स्थाई ठहराव हेतु सौंपा ज्ञापन

सीहोर। शुक्रवार को कांग्रेसजनों ने जिला कांग्रेस प्रवक्ता पंकज शर्मा के नेतृत्व में सीहोर रेलवे स्टेशन पहुंचकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नाम संबोधित एक ज्ञापन स्टेशन प्रबंधक जेएस मिश्रा को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेसजनों ने ओवरनाईट और प्रयागराज एक्सप्रेस का स्थाई ठहराव सीहोर रेलवे स्टेशन पर तत्काल किए जाने की मांग की। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए पंकज शर्मा ने बताया कि कोरोनाकाल के बाद से सीहोर रेलवे स्टेशन पर कई ट्रेनों का ठहराव बंद कर दिया गया था, जिसे अब तक वापस चालू नहीं किया गया है। सीहोर रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन हजारों यात्री विभिन्न गंतव्यों के लिए यात्रा करते हैं। इसके बाद भी यहां कई ट्रेनों का ठहराव अब तक शुरू नहीं हो सका है, जबकि इससे कम यात्री संख्या के कई स्टेशनों पर यहां से ज्यादा ट्रेनें रुकती हैं, जो कि सीहोर की जनता के साथ सरासर अन्याय है तथा इस अन्याय को अब कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसके खिलाफ अब उग्र आंदोलन किया जाएगा। पंकज शर्मा ने ज्ञापन के माध्यम से रेल मंत्री से यहां से गुजरने वाली सभी ट्रेनों का सीहोर रेलवे स्टेशन पर स्थाई ठहराव तत्काल किए जाने की मांग की है। उन्होंने सबसे पहले ओवरनाईट और प्रयागराज एक्सप्रेस को सीहोर में हॉल्ट देने तथा बाद में अन्य ट्रेनों को भी यहां रुकवाने की मांग रेल मंत्री से की है। पंकज शर्मा ने चेतावनी दी है कि यदि इन ट्रेनों का सीहोर रेलवे स्टेशन पर स्थाई ठहराव जल्द ही नहीं किया गया, तो कांग्रेस पार्टी जनहित में उग्र आंदोलन करने को विवश होगी, जिसकी संपूर्ण जवाबदारी रेल मंत्रालय के पक्षपातपूर्ण रवैए की होगी। मांग करने वालों में प्रमुख रूप से सतीश दरोठिया, राजेश रैकवाल, डॉ. हर्ष गुप्ता, जय सिंह भारती, आसिफ अंसारी आदि कांग्रेसजन शामिल हैं।

गांजे के साथ पकड़े आरोपियों को 5-5 साल की सजा और जुर्माना

सीहोर। गांजा तस्करी के मामले में कोर्ट ने दो आरोपियों को 5-5 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस कोर्ट ने प्यार मोहम्मद, 53 साल और संतोष, 41 साल, निवासी छीपानेर को दोषी पाते हुए 2000-2000 रुपये का जुर्माना भी लगाया। 10 अक्टूबर 2022 को गोपालपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर निबाड आश्रम छीपानेर से प्यार मोहम्मद को पकड़ा था। आरोपी के पास से प्लास्टिक के झोले में 1 किलो 500 ग्राम गांजा बरामद हुआ था। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज कर चालान पेश किया था। कोर्ट ने अभियोजन के सबूतों को सही मानते हुए दोनों आरोपियों को सजा सुनाई। शासन की ओर से अपर लोक अभियोजक रेखा चौरसिया ने पैरवी की।

कैबिनेट के फैसले से खुलेगी सीहोर शिक्षा विभाग के कारनामों की पोल

10 साल से 'बाबू' बने 60 जनशिक्षकों पर गिरेगी गाज, आज से एजुकेशन 3.0 पोर्टल पर अपलोड होगा शिक्षकों का पूरा ब्यौरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

मध्य प्रदेश की मोहन कैबिनेट के एक बड़े फैसले ने सीहोर जिले के स्कूल शिक्षा विभाग में हडक़ंप मचा दिया है। राज्य सरकार के निर्देशानुसार आज यानी 30 मई से एजुकेशन 3.0 पोर्टल पर हर एक शिक्षक की विषयवार पोस्टिंग का पूरा ब्यौरा ऑनलाइन अपलोड होना शुरू हो रहा है। लोक शिक्षण आयुक्त आज ही इसकी जिलावार समीक्षा भी करने जा रहे हैं। इस डिजिटल कुंडली के सामने आते ही सीहोर जिले में सालों से मलाईदार कुर्सियों पर जमे रसूखदार शिक्षकों और उन्हें संरक्षण देने वाले अधिकारियों की पोल खुलना तय माना जा रहा है। प्रदेश सरकार की तबादला नीति के तहत साफ कर दिया गया है कि तय टारगेट अचीव न करने वाले और लंबे समय से एक ही जगह जमे कर्मचारियों को 3 साल से पहले भी हटाया जा सकता है। इस आदेश के बाद सीहोर के उन 60 से अधिक जनशिक्षकों (बीएसी/एपीसी) की धडक़नें बढ़ गई हैं, जो पिछले 8 से 10 सालों से दफ्तरों में (बाबू) बनकर बैठे हैं और ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई चौपट हो रही है।

साहब खुद दो कुर्सियों पर काबिज मातहतों को कैसे सिखाएं नियम

जिले में नियमों को ताक पर रखकर चल रहे इस पूरे खेल को वर्तमान प्रभारी डीपीसी आरआर उइके का खुला संरक्षण मिला हुआ है। इसका मुख्य कारण यह है कि साहब खुद नियमों को ठेंगा दिखाकर पिछले कई सालों से दोहरा लाभ ले रहे हैं। उइके मूल रूप से एक स्कूल प्राचार्य हैं, लेकिन वे जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पिछले 12 वर्षों से एपीसी (सहायक परियोजना समन्वयक) के पद पर जमे हुए हैं। इतना ही नहीं पिछले 3 वर्षों से वे सीहोर में प्रभारी डीपीसी का प्रभार भी संभाल रहे हैं। जब जिले का मुख्य नीति-निर्धारक ही खुद सालों से दो-दो कुर्सियों की सुविधाओं का आनंद ले रहा हो तो वह मातहतों पर कार्रवाई कैसे कर सकता है।

3 साल का नियम, 10 साल से 'प्रभारी' बन काट रहे मलाई

राज्य शिक्षा केंद्र के स्पष्ट नियम हैं कि जनशिक्षक के पद पर प्रतिनियुक्ति अधिकतम 3 वर्ष के लिए होती है। विशेष परिस्थितियों में इसे 1 या 2 वर्ष बढ़ाया जा सकता है, जिसके बाद शिक्षक को अनिवार्य रूप से अपने मूल स्कूल में बच्चों को पढ़ाने वापस जाना होता है। प्रदेश के सभी जिलों ने इस नियम का पालन करते हुए नई नियुक्तियां कर ली हैं, लेकिन सीहोर जिला शिक्षा केंद्र की रहस्यमयी चुप्पी के कारण यहां सालों से नई नियुक्तियां ठंडे बस्ते में हैं।

इन रसूखदारों पर टिकी हैं नजरें

पोर्टल पर जानकारी सार्वजनिक होने से पहले जिले के कुछ ऐसे चर्चित नाम सामने आए हैं जो नियमों को ठेंगा दिखा रहे हैं, जिनमें सुरेन्द्र सिंह यादव जो पहले 5-6 साल जनशिक्षक रहे, फिर 8-10 साल बीएसी पद पर मजे लिए और अब पिछले 1 साल से अधिक समय से एपीसी के पद पर काबिज हैं।

जगदीश मालवीय: कस्तूरबा स्कूल सीहोर में जनशिक्षक के पद पर एक दशक (10 साल) से ज्यादा समय से जमे हुए हैं।

एक ही स्कूल से दो-दो प्रभारी: नरेश गुर्जर (गुड़भेला स्कूल) और राजेश चौहान (मुंगावली स्कूल) के मामले में नियमों को दरकिनार कर एक ही स्कूल से दो-दो प्रभारियों को उपकृत किया गया है।

सुमन सिंह: मंडी हाई स्कूल में यह एकमात्र शिक्षक हैं। इसके बावजूद बच्चों की पढ़ाई छुड़वाकर इन्हें नियम-विरुद्ध तरीके से जनशिक्षक बनाकर दफ्तर में बैठाया गया है।

दशक से जमे अन्य नाम: विमल शर्मा, शैलेंद्र सिंह ठाकुर, पवन त्यागी, चंदर सिंह ठाकुर, महेश राठौर, महेश मालवीय, सुरेश जायसवाल, नंदकिशोर वर्मा और गुरु प्रसाद जामलिया को अपनी कुर्सियों पर मलाई काटते हुए 8 वर्ष से अधिक का समय बीत चुका है।

जनगणना वाले शिक्षकों को राहत

लोक शिक्षण आयुक्त ने एक अन्य निर्देश में साफ किया है कि जिन शिक्षकों की ड्यूटी जनगणना में लगी है, उनके तबादले फरवरी 2027 तक नहीं होंगे। प्रदेशभर में ऐसे करीब 58 हजार से अधिक शिक्षक हैं। 1 जून तक ऐसे सभी शिक्षकों की जानकारी एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। बता दें सीहोर जिले में जहां एक तरफ योग्य और पात्र शिक्षक अपनी सही नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं, वहीं इन रसूखदारों के दफ्तरों में जमे होने से ग्रामीण स्कूलों में ताले लटकने की नौबत है। अब देखना यह होगा कि 30 मई से पोर्टल पर डेटा अपलोड होने के बाद, शासन स्तर से इन (बाबू) बने शिक्षकों और दोहरा प्रभार संभाल रहे साहब पर क्या और कितनी जल्दी गाज गिरती है।

सोसायटी से खाद लेने के लिए 45 हजार में से 14 हजार किसानों की बनी आईडी

कृषि अधिकारी बोले 80 फीसदी किसानों की बनी फार्मर आईडी, हकीकत में 15 प्रतिशत

जिले के कुल 1 लाख 45 हजार किसानों में से अब तक लगभग 14 हजार से अधिक किसान ही अपनी फार्मर आईडी बनवा पाए हैं जो कुल संख्या का सिर्फ 10 फीसदी है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

खरीफ फसलों की बोवनी का समय नजदीक आते ही जिले के किसान खाद वितरण की नई ऑनलाइन व्यवस्था को लेकर असमंजस और आक्रोश में हैं। शासन ने इस बार खाद वितरण प्रणाली को पूरी तरह ऑनलाइन करते हुए इसे फार्मर आईडी (कृषक रजिस्ट्री) और ई-टोकन व्यवस्था से जोड़ दिया है। अब किसान सीधे सोसायटियों से खाद नहीं खरीद पा रहे हैं, जिससे नाराज किसान इस योजना में बदलाव की मांग पर अड़ गए हैं। इस पूरी व्यवस्था को लेकर अब जमीनी हकीकत और प्रशासनिक दावों के बीच एक बड़ा विरोधाभास भी सामने आया है। एक तरफ जमीनी आंकड़े बता रहे हैं कि जिले के बड़ी संख्या में मौजूद किसानों के पास अभी तक फार्मर आईडी ही नहीं है। जिले के कुल 1 लाख 45 हजार किसानों में से अब तक लगभग 14 हजार से अधिक किसान ही अपनी फार्मर आईडी बनवा पाए हैं जो कुल संख्या का सिर्फ 10 फीसदी है। किसानों का कहना है कि खसरे से आधार कार्ड लिंक न होने और बैंक खातों की केवाईसी पेंडिंग होने के कारण यह संकट खड़ा हुआ है। इसके अलावा जो किसान दूसरों की जमीन किराए या बटाई पर लेकर खेती कर रहे हैं, उनके सामने संकट और बड़ा है, क्योंकि मूल भूमि स्वामियों ने आईडी नहीं बनवाई है।

80 प्रतिशत आईडी बीनी, सीहोर टॉप-10 में

वहीं दूसरी ओर इस पूरे मामले में कृषि विभाग का एक चौंकाने वाला दावा सामने आया है। उप संचालक कृषि अशोक उपाध्याय का साफ कहना है कि जिले में 80 प्रतिशत फार्मर आईडी बन चुकी है और इस मामले में सीहोर जिला पूरे मध्य प्रदेश की टॉप-10 सूची में शामिल है। किसानों की कम संख्या के सवाल पर उन्होंने तर्क दिया कि जो वास्तविक किसान हैं, उनकी फार्मर आईडी बन गई है। अब यदि कोई जमीन का मालिक मुंबई या भोपाल रहता है और वह आईडी बनवाने आएगा ही नहीं तो उसकी आईडी कैसे बनेगी। विभाग का मानना है कि इस व्यवस्था से खाद की कालाबाजारी पूरी तरह रुकेगी।

सर्वर डाउन, एक्सपायर हो रहीं पर्चियां

इस बहस के बीच मैदान में जूझ रहे किसानों को तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वेबसाइट का सर्वर बार-बार डाउन होने के कारण खाद की ऑनलाइन बुकिंग नहीं हो पा रही है। किसानों का आरोप है कि भारी मशक्कत के बाद यदि ऑनलाइन पर्ची हो भी जाती है तो सोसायटियों में खाद उपलब्ध नहीं मिलती। नियम के मुताबिक टोकन में खाद उठाने के लिए एक निश्चित तारीख दी जाती है यदि उस तय समय में खाद नहीं मिली तो पर्ची की समय-सीमा समाप्त हो जाती है और किसान खाली हाथ रह जाता है।

गांव-गांव लगाए जा रहे रजिस्ट्रेशन कैंप

मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर बालागुरू के. ने जिले में किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए फार्मर रजिस्ट्री का कार्य युद्ध स्तर पर करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर के निर्देश पर ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष कैंप आयोजित किए जा रहे हैं और कर्मचारी घर-घर जाकर भी किसानों की पुार्मर आईडी बना रहे हैं। इन शिविरों में ग्राम पंचायतों, कृषक मित्रों, राजस्व और कृषि विभाग के अमले को तैनात किया गया है। कलेक्टर ने जिले के सभी किसानों से अपील की है कि वे समय रहते अपने नजदीकी शिविर में पहुंचकर फार्मर आईडी जरूर बनवाएं ताकि आगामी बोवनी के समय उन्हें खाद संकट का सामना न करना पड़े।

एसपी ऑफिस में पीड़ित परिवार ने दिया धरना

हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

इछावर थाना अंतर्गत आने वाले कालापीपल में हुए जमीन विवाद के चलते लाठी डंडों चाकू से मारपीट के बाद हुई कैलाश चंद्र वर्मा की मौत और आरोपियों को पुलिस के द्वारा गिरफ्तार नहीं किए जाने से आक्रोशित परिजनों ने शुक्रवार को जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर धरना प्रदर्शन किया। मृतक कैलाश चंद्र वर्मा के पुत्र विमलेश वर्मा ने एसडीओपी पूजा शर्मा को शिकायती पत्र दिया।

जिला पुलिस अधीक्षक के नाम दिए गए शिकायती पत्र में विमलेश वर्मा पिता स्व. कैलाशचीद्र वर्मा ने बताया कि 26 अप्रैल को मनोज दुर्गा प्रसाद श्री राम अनार सिंह सीता बाई ने जमीनी विवाद को लेकर पुरानी रंजिश के चलते लाठी डंडो चाकू छोटे से जानलेवा हमला कर दिया था। पिता सहित दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पिता को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था जहां उनकी मृत्यु हो गई है। दिसावर थाना पुलिस ने अब तक केवल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है बाकी आरोपी मनीष संदीप समता बाई फरार है और चंदर सिंह निवासी ग्राम मोलगा, दयाराम पिता भंवर जी निवासी ग्राम लसुडिया कंगर, महेन्द्र वर्मा पिता भगवत सिंह वर्मा निवासी ग्राम कालापीपल द्वारा हम पर आरोपियों से राजीनामा करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। आरोपी हमें जान से मारने कि धमकी दे रहे अपनी राजनीतिक पहुंच बता रहे हैं।

डीएसवाय ने सीहोर बाइज को 1-0 से हराया

सीहोर। शहर के चर्च मैदान पर अंतर्राष्ट्रीय फुटबाल खिलाड़ी और सीनियर खिलाड़ियों के द्वारा जिला फुटबाल एसोसिएशन के तत्वाधान में यहां पर चार आयु वर्ग में खिलाड़ियों को निशुल्क फुटबाल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वहीं गुरुवार की शाम को ब्लाक स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता में डीएसवाय ने सीहोर बाइज को रोमांचक मुकाबले में 1-0 से हराया। इस मैच में एक मात्र गोल समर्थ ने किया।

जिले में 2555 चेक डैम निर्माण हुए, लक्ष्य के अनुरूप कार्य पूर्ण

सीहोर। कलेक्टर बालागुरु के के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल संरक्षण, जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन एवं जन-जागरूकता से जुड़े कार्यों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की गई हैं। विभिन्न विभागों द्वारा अभियान को जनभागीदारी से जोड़ते हुए तय लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूरा किया गया, जिसके परिणामस्वरूप अनेक गतिविधियों में शत-प्रतिशत एवं लक्ष्य से अधिक प्रगति दर्ज की गई है। अभियान के तहत जिले में चेक डैम निर्माण, तालाब निर्माण एवं गहरीकरण, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, जल गुणवत्ता परीक्षण, पौधरोपण, पाइपलाइन सुधार, प्याऊ स्थापना तथा जल स्त्रोतों के संरक्षण जैसे कार्य बड़े स्तर पर किए गए हैं। जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में किए जा रहे इन कार्यों से न केवल जल स्त्रोतों का संवर्धन हो रहा है, बल्कि आमजन में पानी बचाने एवं जल संरचनाओं के संरक्षण के प्रति सकारात्मक जागरूकता भी बढ़ रही है। जिले में 2555 चेक डैम निर्माण, 10 तालाब निर्माण, 17 सौसर निर्माण, 4 तालाब गहरीकरण तथा 24,130 मीटर कंटूर ट्रेंच कार्य लक्ष्य के अनुरूप पूर्ण किए गए हैं।

टीम संडे का सुकून, मेघावी प्रतिभाओं को मिलेगा सरस्वती विद सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

प्रतिवर्षानुसार इस बर्ष भी शहर की सामाजिक संस्था नवोदित कला मंच एवं जन परिषद के संयुक्त तत्वावधान में उन मेघावी छात्र छात्राओं को जिन्होंने बर्ष 2025-26 की 10 वीं एवं 12 वीं की परीक्षा परिणाम में 90% से अधिक अंक प्राप्त कर शहर, स्कूल, समाज एवं परिवार को गौरवान्वित किया है ऐसे मेघावी प्रतिभाओ जिनकी संख्या 150 से अधिक है उन्हें सम्मानित किया जाएगा। संस्थापक -सुरेश जायसवाल ने बताया कि उक्त कार्यक्रम जिलाध्यक्ष डॉ अनीस खान के कुशल नेतृत्व तथा कार्यकारी अध्यक्ष कमलेश शर्मा कमल के मार्गदर्शन में तथा मुख्य संरक्षक अखिलेश राय संरक्षक हरीशचंद्र अग्रवाल, डॉ के के नेमा, राजेश काशिव, डॉ एस सी हुरमाडे के दिशा-निर्देश में तथा समाज सेविका अरूणा राय के मुख्य आतिथ्य में एवं सरस्वती कथक नृत्य कला केन्द्र की निदेशक डॉ रूपाली सोनी एवं राष्ट्रीय कलचुरि कवि परिषद भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष वृंदावन राय सरल सागर के विशेष आतिथ्य में सम्पन्न होगा। साथ ही शहर की उन 21 विभूतियों को भी सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने अपने योगदान, कौशल तथा समर्पण से राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धी प्राप्त कर शहर एवं प्रदेश को गौरवान्वित किया है जिसमें वरिष्ठ नागरिक सम्मान -बुंदेली गीतकार एवं कृषि वैज्ञानिक डॉ के के नेमा निर्झर , शिक्षा विद् सम्मान -प्रधान मंत्री कालेज आफ एक्सीलेंस के प्राचार्य डॉ रोहिताश्व शर्मा, साहित्य विद् सम्मान -वरिष्ठ ग़ज़लकार रमेश शर्मा गमगीन , जीवन रक्षक सम्मान -रक्त दानदाता -रविकांत कुमरे, प्रेरणा विद् जनसेवा सम्मान - शहर की सामाजिक समर्पित संस्था-टीम संडे का सुकून, संगीत विद् सम्मान वरिष्ठ तबला वादक राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त डॉ केदार नाथ मुंडे।कला विद् सम्मान -फिल्म अभिनेता गोविंद लोवानिया, एवं मूर्तिकार अजय अयरे।सेवा विद् सम्मान श्रीमती एनी अलेक्स, सीमा रक्षक सम्मान - भारतीय थल सेना के हवलदार -फौजी रामगोपाल आर्य एवं मुकेश कुमार इतावदिया ,जन सेवा सम्मान -निस्वार्थ मृत आत्मा का देहसंस्कार कर्ता - राजू सोनी, एवं रोहित बैरागी। महर्षी दधिचि सम्मान (मरणोपरांत)- देहदानी स्व.मनोहर लाल महेश्वरी, प्रतिभा शिल्पकार सम्मान -जिला संयोजिका दुर्गा वाहिनी नीलू चौहान, खेल विद् सम्मान -राष्ट्रीय पहलवान खुशबू चंद्रवंशी, कलचुरि गौरव सम्मान कक्षा 12 वीं में प्रदेश की प्रवीण सूची में प्रथम स्थान प्राप्त खुशी राय, विशेष सम्मान -महक कौशल, मारेशा खान, श्लोक प्रजापति, खुशी मालपानी,खुशी कुइया,वैभवी मंत्री, साक्षी दांगी,मोमांश पुरोहित, शास्त्रीय गायन- अगस्त्य गुप्ता, बांसुरी वादक -राकेश मेवाड़ा, तबला वादक -मोहित ठाकुर, नृत्यांगना आख्या अग्रवाल एवं नित्या नामदेव, साहित्यिक आयोजक राजू धाकड़, शायर खलील कुरेशी, जनपरिषद के प्रांतीय सचिव वरिष्ठ पत्रकार रऊफ लाला, ग़ज़लकार रमेश राही आदि को प्रदान किये जायेंगे।

सीटू नाले की सफाई कार्य का नपाध्यक्ष ने किया निरीक्षण

ठेकेदार को 4 दिन में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

शहर में बारिश पूर्व तैयारियों को लेकर नगर पालिका परिषद द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शहर के प्रमुख सीटू नाले पर चल रहे सफाई कार्य का नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर द्वारा स्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया। इस दौरान नाले में पोकलेन मशीन एवं डंपरों के माध्यम से तेज़ गति से सफाई कार्य किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान नगर पालिकाध्यक्ष श्री राठौर ने संबंधित ठेकेदार एवं अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि आवश्यकता पड़े तो 24 घंटे कार्य कराकर 4 दिनों के भीतर पूरा मालवा एवं गाद नाले से बाहर निकाला जाए, ताकि बारिश के समय शहरवासियों को जलभराव जैसी समस्याओं का सामना न करना पड़े। नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहा कि शहर के नागरिकों की सुरक्षा एवं सुविधा हमारी पहली प्राथमिकता है। यदि नाले की सफाई समय पर नहीं हुई और किसी भी क्षेत्र में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हुई तो संबंधित ठेकेदार एवं जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिषद बारिश से पहले सभी बड़े नालों एवं जल निकासी मार्गों की सफाई अभियान को युद्ध स्तर पर पूरा कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य की गुणवत्ता के साथ किसी प्रकार का समझौता न किया जाए तथा प्रतिदिन मॉनिटरिंग कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। निरीक्षण के दौरान स्थानीय नागरिकों ने भी नाले की सफाई कार्य को लेकर नगर पालिका की पहल की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका के अधिकारी, कर्मचारी, संबंधित ठेकेदार उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

जून माह का खाद्यान्न उठाव का कार्य पूर्ण

सीहोर। जिले में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) अंतर्गत खाद्यान्न आवंटन उठाव एवं वितरण कार्य में लगातार बेहतर प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। वर्ष 2026 के मई एवं जून माह के लिए जिले में खाद्यान्न उठाव का कार्य लगभग 100 प्रतिशत पूर्ण किया गया है। खाद्य विभाग द्वारा बताया गया कि मई 2026 में जिले को कुल 5666.59 मेट्रिक टन खाद्यान्न आवंटित किया गया था, जिसके विरुद्ध 5658.87 मेट्रिक टन खाद्यान्न का उठाव किया गया। वहीं जून 2026 के लिए आवंटित 5666.59 मेट्रिक टन खाद्यान्न का शत-प्रतिशत उठाव किया गया। वितरण व्यवस्था में भी जिले ने बेहतर कार्य किया है। मार्च-अप्रैल 2026 में जिले के 2 लाख 33 हजार 249 पात्र परिवारों में से 2 लाख 25 हजार 38 परिवारों को खाद्यान्न वितरित किया गया, जो 96 प्रतिशत वितरण रहा। वहीं मई-जून 2026 में 2 लाख 34 हजार 59 परिवारों में से 2 लाख 11 हजार 357 परिवारों को खाद्यान्न वितरण किया गया, जो लगभग 90 प्रतिशत रहा। जिले की सभी तहसीलों आष्टा, बुधनी, इछावर, भैरूंदा एवं सीहोर में खाद्यान्न उठाव एवं वितरण की प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित की जा रही है, जिससे पात्र हितग्राहियों को समय पर राशन उपलब्ध हो रहा है।

सीहोर में की अभियानों की प्रगति की समीक्षा

सीहोर। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी बैंक भोपाल के प्रशासक महेन्द्र सिंह यादव द्वारा सीहोर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित में सहकारिता, ऊर्जा संरक्षण, सदस्यता महाअभियान एवं हरित सहकार अभियान की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस अवसर उन्होंने वर्तमान वैश्विक ऊर्जा संकट के परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र हित में नागरिकों से किए गए "ईंधन बचाओ–ऊर्जा बचाओ" के आह्वान का उल्लेख करते हुए सहकारिता एवं कृषि क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों से ऊर्जा संरक्षण हेतु सक्रिय सहभागिता की अपील की।

40 पंचायतों में बने सामुदायिक शौचालय हुए उपयोग से पहले ही बदहाल, शौच करने खुले में जा रहे लोग

बदइंतजामी: निर्माण के बाद से ही बंद पड़े शौचालय, कहीं पर असमाजिक तत्वों ने बनाया अड्डा, तो कहीं मवेशियों का डेरा

इछावर। गांव आर्या में बना स्वच्छता परिसर बाहर से रंगरोहन अंदर गंदगी का अंबार।

इछावर। गांव आर्या में बना स्वच्छता परिसर जिसकी आज तक कभी सफाई नहीं हुई जिसके चलते इसकी दुर्गंध दूर , दूर तक आ रही हैं।

छावर जनपद पंचायत की 40 ग्राम पंचायतों में में करीब 1 करोड़ 40 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक शौचालयों का निर्माण किया गया था। लेकिन जिम्मेदारों की अनदेखी और लापरवाही के कारण यह शौचालय अब खंडहर में तब्दील होते नजर आ रहे हैं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ इछावर

स्वच्छता के नाम पर लाखों रूपए की लागत से ग्राम पंचायतों में बनाएं गये सामुदायिक शौचालय प्रशासनिक लापरवाही के कारण अनुपयोगी साबित हो रहें हैं। आलम यह है कि कहीं गंदगी का अंबार लगा है, तो कहीं असमाजिक तत्वों और शराबियों का अड्डा बना हुआ है। कइयों में मवेशियों का डेरा है। जबकि अधिकांश में पानी की सुविधा ही नहीं है। मजबूरन ग्रामीणों को शौच के लिए खुलें में ही जाना पड़ रहा है।

स्वच्छ भारत अभियान के तहत इछावर जनपद पंचायत की 40 ग्राम पंचायतों में वर्ष 2022 -23 में करीब 1 करोड़ 40 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक शौचालयों का निर्माण किया गया था। लेकिन जिम्मेदारों की अनदेखी और लापरवाही के कारण यह शौचालय अब खंडहर में तब्दील होते नजर आ रहे हैं। प्रत्येक शौचालय पर करीब 3 लाख 40 हजार रुपए खर्च किए गये थे , लेकिन प्रशासनिक अनदेखी और जिम्मेदारों की उदासीनता के कारण अधिकांश शौचालय उपयोग से पहले ही बेकार हो गये। कहीं गेट, शीट और नल टूटे पड़े हैं तो कहीं सफाई का नामोनिशान तक नहीं है। अधिकांश में तो पानी की सुविधा ही नहीं है। हालात इतने खराब है कि कई स्वच्छता परिसर में मवेशी घूम रहे हैं और कुछ जगह असमाजिक तत्वों और शराबखोरी का अड्डा बन चुके है। ऐसे में ग्रामीण शौच के लिए खुलें में जाने को मजबूर हो रहें हैं। समग्र स्वच्छता का दावा करने वाला प्रशासन इन बदहाल व्यवस्थाओं पर चुप्पी साधे बैठा है। वहीं स्वच्छता अभियान के ब्लांक समन्वय कमल वर्मा का इस संबंध में कहना है कि सामुदायिक शौचालय (स्वच्छता परिसर) के संचालन की जिम्मेदारी पंचायत की है , कई जगह ये चालू हैं , बंद है वहां सफाईकर्मी और पानी नहीं होना बड़ी वजह हो सकती है।

इन पंचायतों में बने हैं सामुदायिक

जनपद पंचायत की लसूड़ियाकांगर,अलीपुर, कालापीपल,निपानियांसिक्का,बोरदीकलां, सेमलीजदीद, खेरी, कल्याणपुरा धाकड़, दिवड़िया , नीलबड़, आमलारामजीपुरा, ढाबलामाता, पांगरखाती, पालखेड़ी, बरखेड़ाकर्मी, रामदासी, जमोनियाफतेहपुर, आर्या,चैनपुरा, लालियाखेड़ी, मोहनपुरलेंडी, भाऊंखेड़ी, दुर्गापुरा, जमोनियाहटेसिंह, अमलाह, कुड़ी, नांगली, अबिदाबाद, कनेरिया, बावड़ियाचोर, बिजिशनगर, लोहापठार, वीरपुरडेम, सोहनखेड़ा, छापरीताल्लुक, गोलुखेड़ी, ढाबलाराय, तोरनिया, मोलगा, रामनगर, सिराड़ी, आदि पंचायत में सामुदायिक शौचालय का निर्माण किया गया है।

नहीं है उचित रखरखाव

ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण के बाद से शौचालय की उचित देखरेख व निगरानी नहीं की गई। सफाईकर्मी नियुक्त नहीं किए गए और पानी की व्यवस्था भी अधूरी छोड़ दी गई। यही कारण है कि कई जगह ताले टूटे पड़े हैं, सीटें, नल आदि क्षतिग्रस्त हैं और संपूर्ण परिसर में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। सरकारी रिकॉर्ड में भले ही शौचालय चालू बताएं जा रहें हों , लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिलकुल उलट है।

असमाजिक तत्वों और शराबियों का अड्डा बने

कई पंचायतों में बने सामुदायिक शौचालय अब तक असमाजिक तत्वों और शराबियों का ठिकाना बन गये है। ग्रामीणों का कहना है कि शाम होते ही यहां जमकर शराबखोरी होती है और गंदगी फैलाई जाती है। जिम्मेदारों की अनदेखी के कारण लाखों रुपए की लागत से बनी यह सुविधा अब ग्रामीणों के लिए परेशानी का कारण बन रहे है।

बाजार परिसर का शौचालय बदहाल

नादान व आर्या के बाजार परिसर में बनाया गये सामुदायिक शौचालय (स्वच्छता परिसर) भी बदइंतजामी का शिकार हैं। यहां मवेशियों के जमावड़े के कारण परिसर में चारों ओर गंदगी का अंबार लगा रहता है। पानी की सुविधा भी नहीं होने से ये शौचालय लोगों के लिए अनुपयोगी साबित हो रहा है। बाजार में खरीदी के लिए बाहर से आने वाले लोगों को मजबूरी में खुलें में जाना पड़ रहा है। खासकर बच्चों और महिलाओं को अधिक परेशानी उठानी पड़ रही हैं। लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने कभी भी मौके पर जाकर स्थिति देखने की जरूरत नहीं समझी।

सर्व सुविधा उपलब्ध कराने की थी योजना

जनपद पंचायत की 40 ग्राम पंचायतों में सामुदायिक शौचालय (स्वच्छता परिसर) का निर्माण किया गया है। प्रत्येक स्वच्छता परिसर में शौचालय की सुविधा , स्नानागार की सुविधा के साथ ही कपड़े धोने की व्यवस्था की जाना प्रस्तावित है , लेकिन बदइंतजामी के कारण ये महज शोपीस बनकर रह गए हैं। हालात यह है कि जिन लोगों के घरों में शौचालय की सुविधा नहीं है , उन घरों के लोग प्रसाधन के लिए खुलें में जा रहे हैं। इसके चलते गांवों के आसपास न सिर्फ गंदगी फैल रही हैं बल्कि ग्रामीणों में बिमारियों का संक्रमण होने का खतरा भी बढ़ रहा है।

पंचायतों को निर्देश दिए हैं

सामुदायिक शौचालय को चालू रखने के निर्देश पंचायतों को दिए गये है। यदि कहीं किसी कारण से बंद है तो शीघ्र ही उन्हें चालू करवाए जाएंगे।
रुशाली पोरस, सीईओ जपं इछावर

कॅरियर बनाने विद्यार्थियों को दिया 20 दिवसीय ऑन द जॉब प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ इछावर

क्षेत्र के शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल के छात्रों को पिछले दिनों 20 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान वोकेशनल शिक्षा के अंतर्गत कक्षा 10वीं एवं 12वीं एवं आईटी ट्रेड के विद्यार्थियों को फौजी एंड ब्रदर्स एमपी ऑनलाइन खेरी में तथा कृषि ट्रेड के विद्यार्थियों ने शासकीय उद्यानिकी नर्सरी जामली में प्रशिक्षण दिया गया।

आईटी प्रशिक्षण व्यावसायिक प्रशिक्षक महेंद्र कुमार विश्वकर्मा एवं कृषि व्यावसायिक का प्रशिक्षण ट्रेनर शिवानी यादव द्वारा दिया गया। कार्यक्रम शाला प्राचार्य बद्री प्रसाद मालवीय के निर्देशन में संपन्न हुआ।प्राचार्य श्री मालवीय ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता, आत्मविश्वास एवं रोजगार संबंधी कौशल का विकास है । छात्रों को कार्यस्थल पर कार्य करने का अनुभव प्राप्त होता है । उन्होंने कहा कि विद्यालय में नवीन व्यावसायिक शिक्षा के अंतर्गत दो ट्रेड आईटी एवं एग्रीकल्चर का संचालन किया जा रहा है जिसमें छात्र कक्षा 9वी एवं 11वी में प्रवेश ले सकते हैं। व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से छात्र बेहतर भविष्य के लिए स्वयं को तैयार कर पाते है एवं स्वरोजगार के लिए प्रेरित होते हैं।

केन-ड्रम पर बैन: डीजल संकट गहराया, किसान हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरूंदा

खरीफ सीजन की तैयारियों के बीच जिले में डीज़ल संकट ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। जिला कलेक्टर के निर्देश के बाद पेट्रोल पंपों पर केन और ड्रम में डीज़ल देने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। प्रशासन का यह निर्णय भले ही व्यवस्था को नियंत्रित और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से लिया गया हो, लेकिन इसका सीधा असर ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों पर पड़ रहा है, जो खेती के कार्यों के लिए पर्याप्त मात्रा में डीज़ल जुटाने में असमर्थ दिखाई दे रहे हैं।

ग्रामीण इलाकों के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर पहले से ही डीज़ल की कमी बनी हुई है। ऐसे में केन-ड्रम पर प्रतिबंध ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। किसान अब 15 से 20 किलोमीटर दूर शहर के पेट्रोल पंपों तक ट्रैक्टर या अन्य

वाहनों से पहुंचने को मजबूर हैं। वहां भी वाहन के बिना डीज़ल नहीं दिया जा रहा है। इस प्रक्रिया में किसानों को अतिरिक्त खर्च और समय दोनों की मार झेलनी पड़ रही है। कई किसानों का कहना है कि आने-जाने में ही करीब एक हजार रुपये खर्च हो जाते हैं, जबकि पंपों पर भी सीमित मात्रा करीब 2 हजार रुपये तक का ही डीज़ल दिया जा रहा है।खरीफ सीजन के मद्देनज़र इस समय खेतों की जुताई, बुवाई और फसल अवशेष प्रबंधन जैसे कार्य जोरों पर हैं। मूंग की कटाई के बाद थ्रेसर और हार्वेस्टर जैसे कृषि यंत्रों के संचालन के लिए भारी मात्रा में डीज़ल की आवश्यकता होती है। लेकिन मौजूदा हालात में किसान अपनी जरूरत के अनुसार ईंधन नहीं जुटा पा रहे हैं। कई जगह किसान रात में भी पेट्रोल पंपों पर पहुंचकर लंबा इंतजार करने को मजबूर हैं।पेट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि वे प्रशासन के आदेशों का पालन करने के लिए बाध्य हैं। यदि कोई किसान केन या ड्रम लेकर आता है, तो उसे डीज़ल देने से मना करना पड़ता है। इससे किसानों को बार-बार वाहन लेकर पंप तक जाना पड़ रहा है, जो व्यावहारिक रूप से कठिन और महंगा साबित हो रहा है।इधर डीज़ल की बढ़ती कीमतों का असर भी खेती पर साफ दिखाई दे रहा है। ट्रैक्टर और अन्य कृषि यंत्रों के किराए में अचानक वृद्धि हुई है। जहां पहले जुताई का खर्च कम था, वहीं अब यह 1500 से 2000 रुपये प्रति घंटे तक पहुंच गया है। इससे छोटे और सीमांत किसानों पर आर्थिक दबाव और अधिक बढ़ गया है।वहीं दूसरी ओर, जिले में संचालित कई पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों के लिए आवश्यक सुविधाओं का अभाव भी सामने आ रहा है। जबकि नियमों के अनुसार हर पेट्रोल पंप पर साफ पेयजल, उपयोगी शौचालय, फर्स्ट-एड बॉक्स, मुफ्त हवा-पानी, शिकायत पुस्तिका और मूल्य सूची का स्पष्ट प्रदर्शन अनिवार्य होता है।सुरक्षा मानकों की बात करें तो अग्निशामक यंत्र, बालू की बाल्टियां, इमरजेंसी स्विच, 'नो स्मोकिंग' संकेतक और उचित अर्थिंग जैसी व्यवस्थाएं भी अनिवार्य हैं, लेकिन कई पंपों पर इन नियम पालन अधूरा नजर आता है।

इससे उपभोक्ताओं की सुरक्षा पर भी सवाल उठ रहे हैं। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि कलेक्टर के निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है और डीज़ल की आपूर्ति सामान्य होते ही किसानों को पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध कराया जाएगा। हालांकि, किसानों का मानना है कि यदि जल्द ही व्यावहारिक समाधान नहीं निकाला गया, तो खरीफ सीजन की तैयारियों पर गंभीर असर पड़ सकता है।

बड़ियाखेड़ी में नागर राजस्थानी शैली में बनेगा मंदिर

पीतांबरा धाम माता मंदिर का होगा निर्माण

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

नागर राजस्थानी शैली में भव्य विशाल मंदिर बनाया जाएगा। शिवाराध्य पीतांबरा धाम माता मंदिर का पुनः निर्माण होगा। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधायक सुदेश राय और समाजसेविका अरूणा राय ने गुरूवार को भूमिपूजन किया। मंदिर की लागत करोड़ों रूपये होगी। नये मंदिर में आधुनिकता भी दिखाई देगी। मंदिर में सुंदर नक्काशी और महा मारू शैली भी देखने को मिलेगी।

मंदिर के पास सीवन नदी किनारे श्रद्धालुओं, वरिष्ठजनों एवं धर्मप्रेमी नागरिकों के लिए श्रद्धा भक्तिमय वातावरण तैयार किया जाएगा। मंदिर में देव प्रतिमाओं की वरिष्ठ ब्राह्मणों के सानिध्य में प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। बडिय़ाखेड़ी स्थित पुराना इंदौर भोपाल हाईवे किनारे स्थित शिवाराध्य पीतांबरा धाम मंदिर लगभग पचास साल पुराना हो गया है। विधायक सुदेश राय और समाजसेविका अरूणा राय ने मंदिर को नया रूप देने जा रह है। श्रद्धा भक्तिमय एवं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत भूमि पूजन संपन्न किया गया है। कार्यक्रम में क्षेत्र के श्रद्धालुओं, वरिष्ठजनों एवं धर्मप्रेमी नागरिकों की उपस्थिति रही। मां पीतांबरा एवं भगवान शिव की कृपा से यह मंदिर निर्माण कार्य क्षेत्र की आस्था, संस्कृति एवं आध्यात्मिक चेतना का एक नया केंद्र बनेगा। मंदिर निर्माण परियोजना से जुड़े राजकुमार रिंकू जायसवाल ने बताया कि जल्दी ही मंदिर का निर्माण शुरू होगा।

अंतिम चरण में पहुंची गेहूं खरीदी की प्रक्रिया

सीहोर। जिले में रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। जिले में अब तक 01 लाख 2 हजार 485 किसानों ने पंजीयन कराया, जिनमें से 92 हजार 337 किसानों ने स्लॉट बुकिंग करा लिया है। जिले के 240 खरीदी केंद्रों पर अब तक 87 हजार 390 किसानों से 7 लाख 38 हजार 353 मीट्रिक टन से अधिक गेहूं की खरीदी की जा चुकी है। जिला उपार्जन प्रभारी आकाश चंदेल ने बताया कि खरीदी गई कुल मात्रा में से 99 प्रतिशत गेहूं के आर2टी तथा 98 प्रतिशत मात्रा के हैंडलिंग चालान जारी किए जा चुके हैं। वहीं 7 लाख 13 हजार 484 मीट्रिक टन गेहूं का भंडारण भी पूर्ण हो चुका है। अब तक 1717.70 करोड़ रुपए का भुगतान सीधे खातों में किया जा चुका है, जो कुल भुगतान का 86.62 प्रतिशत है। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष समर्थन मूल्य 2625 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीदी की गई है। जिले में खरीदी प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए प्रशासन द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।

बीपीएल कार्ड धारकों को महज पांच रुपए में मिलेगा बिजली कनेक्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरूंदा

बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने और सेवाओं को घर-घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा चलाया जा रहा 'सम्पर्क अभियान 2026' भैरुंदा क्षेत्र में प्रभावी रूप से शुरू हो गया है। शुक्रवार को नगर के संगोष्ठी भवन में आयोजित शिविर के साथ इस अभियान का शुभारंभ हुआ, जहां बड़ी संख्या में पहुंचे उपभोक्ताओं की शिकायतों को मौके पर ही सुना गया और उनका तत्काल समाधान किया गया। इस पहल ने न केवल लोगों को राहत दी, बल्कि विद्युत विभाग के प्रति भरोसा भी मजबूत किया है। कार्यक्रम का शुभारंभ पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वित्त निगम के अध्यक्ष रवि मालवीय ने भारत माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री जितेंद्र गौड़, किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश पंवार, नगर परिषद अध्यक्ष मारुति शिशिर, मंडल अध्यक्ष आशीष शर्मा, वरिष्ठ नेता चंद्रकांत खंडेलवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।अभियान के तहत बीपीएल परिवारों और किसानों को मात्र 5 रुपए में नया बिजली कनेक्शन प्रदान किया जा रहा है। इसमें ग्रामीण घरेलू कनेक्शन के साथ 5 हॉर्स पावर तक के कृषि पंप कनेक्शन भी शामिल हैं। यह योजना विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रही है, जहां कम लागत में बिजली सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इससे गरीब और किसान वर्ग को सीधा लाभ मिल रहा है।शिविर में उपभोक्ताओं की विभिन्न समस्याओं का त्वरित निराकरण किया गया। इनमें गलत या अधिक बिजली बिल, मीटर खराबी, तकनीकी खामियां, नाम परिवर्तन, नए कनेक्शन, ई-केवाईसी, डुप्लीकेट बिल और आंशिक भुगतान राहत जैसी सेवाएं शामिल रहीं। इसके साथ ही क्यूआर कोड के माध्यम से बिल भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। बिजली गुल होना, लाइन ट्रिपिंग, कमजोर वोल्टेज, खराब सर्विस केबल, पोल और ट्रांसफार्मर से जुड़ी समस्याओं का भी मौके पर समाधान किया गया।अधिकारियों ने शिविर के दौरान उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर और डिजिटल सेवाओं के उपयोग के प्रति जागरूक किया। साथ ही ऊर्जा विभाग की वेबसाइट और 'सरल संयोजन पोर्टल' के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करने के लिए प्रेरित किया गया। बताया गया कि यह अभियान नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से आयोजित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक उपभोक्ताओं तक इसका लाभ पहुंच सके।मुख्य अतिथि रवि मालवीय ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार की यह पहल आम जनता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से उपभोक्ताओं की शिकायतों को गंभीरता से लेने और उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनता ने हमें सेवा के लिए चुना है, इसलिए उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता होना चाहिए।

खबर संक्षेप

जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

देवास। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सरोजिनी जेम्स बेक ने बताया कि विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के उपलक्ष्य राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत जिला चिकित्सालय देवास में संचालित उमंग स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर माहवारी स्वच्छता विषय पर जागरूकता संवाद सहित, प्रश्नोंत्तर सत्र एवं ग्रुप डिस्कशन, विषय प्रस्तुतीकरण आदि गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों का उद्देश्य माहवारी के संबंध में समाज में व्याप्त भ्रान्तियों को दूर करना एवं माहवारी के दौरान स्वच्छता एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य देखभाल के लिए किशोरी बालिकाओं/ महिलाओं को प्रोत्साहित किया जाना है। जेम्स बेक ने बताया कि माहवारी स्वच्छता पर जागरूकता कार्यक्रम जिला स्तर के साथ ही विकासखंड स्तर की स्वास्थ्य संस्थाओं में संचालित उमंग स्वास्थ्य केंद्रों, साथिया कार्यक्रम के मास्टर ट्रेनर द्वारा साथिया की सहभागिता कर, आशा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के सहयोग से समुदाय स्तर पर तथा सीएचओ द्वारा जागरूक किया।

गर्मी व लू से बचाने के लिए दी दवाई

देवास। होम्योपैथिक मेडिकल प्रेक्टिशनर एसोसिएशन देवास द्वारा भीषण गर्मी और नौतपा में ट्राफिक जवानों को गर्मी एवं लू से बचाने के लिए होम्योपैथिक दवाई ट्राफिक टीआई पवन बागड़ी को प्रदान की तथा उनसे अनुरोध किया गया कि जो ट्राफिक के जवान धूप एवं गर्मी में अपनी सेवाएं दे रहे हैं उन्हें यह दवाई दी जाए वे लू एवं गर्मी से बच सकें। इस अवसर पर डॉ. सुरेश शर्मा, डॉ. नवीन कानूनगो एवं डॉ. एल.एस. चावड़ा उपस्थित रहे।

जमानत शर्तों का उल्लंघन कर अपराध घटित करने पर कार्रवाई की

ऑपरेशन 'बेल टू जेल': 27 की जमानत निरस्त कर देवास पुलिस ने पहुंचाया जेल

247 कुख्यात अपराधी पुलिस की निगरानी में थाना सिविल लाइन में किया था प्राणघातक हमला संबंधी अपराध

हरिभूमि न्यूज ⏭ देवास

मुख्यमंत्री मोहन यादव की मंशा और पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के निर्देशों के अनुरूप देवास पुलिस द्वारा चलाए जा रहे "ऑपरेशन बेल टू जेल" के तहत एक और महत्वपूर्ण सफलता हासिल की गई है। गंभीर अपराध में जमानत पर रिहा होने के बाद पुनः आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पाए गए आदतन अपराधी किशोरसिंह राठौर की जमानत न्यायालय द्वारा निरस्त कर दी गई है। इसके साथ ही आरोपी को दोबारा जेल भेजने की वैधानिक प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक उज्जैन जोन राकेश कुमार गुप्ता एवं पुलिस उप महानिरीक्षक उज्जैन रेंज नवनीत भसीन के मार्गदर्शन तथा पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के निर्देशन में जिले में ऐसे अपराधियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है, जो न्यायालय से जमानत मिलने के बाद भी कानून का उल्लंघन कर दोबारा अपराध कर रहे हैं।पुलिस के अनुसार आरोपी किशोरसिंह पिता रामचंद्र राठौर निवासी दशहरा मैदान, निवाड़ नगर, ईटावा के विरुद्ध लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व थाना सिविल लाइन में हत्या के प्रयास, मारपीट एवं एससी-एसटी एक्ट से संबंधित गंभीर अपराध दर्ज हुआ था। इस मामले में आरोपी को उच्च न्यायालय इंदौर खंडपीठ से सशर्त जमानत प्राप्त हुई थी। जमानत की शर्तों के तहत आरोपी को किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि से दूर रहने के निर्देश दिए गए थे।इसके बावजूद आरोपी ने जमानत अवधि के दौरान ही थाना कन्नौद क्षेत्र में पुनः अपराध कारित किया। इस संबंध में उसके विरुद्ध अपराध क्रमांक 835/2025 के तहत विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया। आरोपी द्वारा जमानत की शर्तों का उल्लंघन किए जाने पर देवास पुलिस ने माननीय जिला एवं सत्र न्यायालय में जमानत निरस्तीकरण के लिए प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मामले की सुनवाई के बाद न्यायालय ने आरोपी की जमानत निरस्त करते हुए उसे गिरफ्तार करने के आदेश जारी किए।पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने बताया कि "ऑपरेशन बेल टू जेल" के अंतर्गत ऐसे कुख्यात और आदतन अपराधियों को चिन्हित किया जा रहा है, जो गंभीर अपराधों में जमानत पर छूटने के बाद दोबारा कानून व्यवस्था के लिए खतरा बनते हैं। जिले में अब तक ऐसे लगभग 247 अपराधियों की पहचान कर उनके विरुद्ध जमानत निरस्तीकरण की कार्रवाई प्रारंभ की जा चुकी है। इनमें से 27 आरोपियों की जमानत निरस्त कर उन्हें पुनः जेल भेजा जा चुका है, जबकि शेष मामलों में न्यायालयीन प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि अपराधियों के विरुद्ध यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और जमानत की शर्तों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस का उद्देश्य समाज में कानून का सम्मान बनाए रखना तथा आम नागरिकों को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है। उल्लेखनीय है कि इस कार्रवाई में नगर पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल, थाना प्रभारी सिविल लाइन अमित सोलंकी एवं उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक ने पूरी टीम को इस उल्लेखनीय सफलता के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की है।

तहसीलदार ने टोंकखुर्द के पटवारियों पर लगाया जुर्माना

लोक सेवा गारंटी प्रकरणों में की लापरवाही

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोंकखुर्द

टोंकखुर्द तहसीलदार गौरव निरंकारी ने लोक सेवा गारंटी के तहत प्राप्त सीमांकन प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण नहीं करने पर तहसील में पदस्थ सात पटवारियों पर अर्थदंड अधिरोपित किया है। जानकारी अनुसार पटवारी केदार मंडलोई, विजय पटेल, सुरेश बघेल, विनय बड़ोदिया, अनुराग यादव, वीणा प्रजापति एवं संतोष कुमावत ने अपने-अपने हल्कों में लोक सेवा गारंटी के तहत प्राप्त सीमांकन प्रकरणों के प्रतिवेदन समय पर प्रस्तुत नहीं किए। इसके कारण संबंधित प्रकरण निर्धारित समय-सीमा से बाहर हो गए।तहसीलदार ने आदेश में उल्लेख किया है कि संबंधित पटवारियों द्वारा अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों के निर्वहन में लगातार लापरवाही एवं उदासीनता बरती गई। इसी के चलते मध्यप्रदेश लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम, 2010 की कंडिका-7 के तहत कार्रवाई करते हुए प्रत्येक संबंधित प्रकरण पर 250 रुपये की दर से अर्थदंड अधिरोपित किया गया है।तहसीलदार ने सभी पटवारियों को निर्देश दिए हैं कि वे निर्धारित जुर्माना राशि जमा कर चालान की प्रति कार्यालय में प्रस्तुत करें। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

3 जून को प्लेसमेंट ड्राइव का होगा आयोजन

देवास। जिले के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए देवास जॉब पोर्टल के माध्यम से वेलस्पन लिविंग लिमिटिड द्वारा 03 जून को मल्हार स्मृति मंदिर देवास में सुबह 11 बजे से दोपहर 03 बजे तक विशाल प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। इस भर्ती अभियान के अंतर्गत ट्रेनी (मशीन ऑपरेटर) पद हेतु कुल 450 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने साथ रिज्यूम लेकर उपस्थित होना अनिवार्य है। अधिक जानकारी एवं ऑनलाइन आवेदन हेतु उम्मीदवार देवास जॉब पोर्टल की आधिकारिक वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं अथवा दिए गए QR Code को स्कैन कर आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी अधिक जानकारी के लिए कंपनी के एचआर सेक्शन में 98266-23202 पर बात करें। इच्छुक उम्मीदवारों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8वीं पास निर्धारित की गई है तथा आयु सीमा 18 से 35 वर्ष रखी गई है। चयनित उम्मीदवारों को कंपनी के वेतनमान पर लगभग 16 हजार 968 रुपये वेतन प्रदान किया जाएगा। कंपनी द्वारा कर्मचारियों को कैंटीन, हॉस्टल, बस सुविधा, बोनस, ओवरटाइम, मेडिकल सुविधा एवं दुर्घटना बीमा जैसी अनेक सुविधाएँ भी प्रदान की जाएँगी।

आयुक्त ने विकास कार्यों का निरीक्षण कर कार्य में तेजी लाने निर्देश दिए

देवास। निगमायुक्त आयुक्त दलीप कुमार ने शहर में चल रहे विकास कार्यों का सघन निरीक्षण विगत दिनों किया। इस दौरान उन्होंने सड़क एवं नाला निर्माण कार्यों का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।आयुक्त ने सबसे पहले एमजी रोड पर चल रहे निर्माण कार्यों का पैदल भ्रमण किया। उन्होंने सड़क के दोनों ओर हो रहे नाला निर्माण का निरीक्षण कर उसमें आ रही तकनीकी समस्याओं पर चर्चा की। मौके पर मौजूद सहायक यंत्री सौरभ त्रिपाठी एवं वार्ड उपयंत्री को काम में तेजी लाने के निर्देश दिए।आयुक्त ने कहा कि एमजी रोड पर नाले की शेष खुदाई का कार्य तेजी से पूरा किया जाए। उन्होंने सहायक यंत्री, उपयंत्री तथा संबंधित ठेकेदार को स्पष्ट निर्देश दिए कि वर्षा से पहले संपूर्ण नाले का निर्माण हर हाल में पूरा हो। इसके साथ ही आयुक्त ने जनता बैंक से सुभाष चौक तक इलेक्ट्रिक लाइन एवं सीवरेज लाइन का काम भी शीघ्र पूरा करने को कहा। आयुक्त ने कहा कि वर्षाकाल में एमजी रोड के रहवासियों, व्यापारियों, राहगीरों एवं ग्राहकों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होना चाहिए। निरीक्षण के दौरान निगम के तकनीकी अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

महाराष्ट्र समाज ने वीर सावरकर को जयंती पर किया स्मरण

देवास। स्वातंत्र्यवीर विनायक दामोदर सावरकर की जयंती के अवसर पर महाराष्ट्र समाज, देवास द्वारा उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा देश की स्वतंत्रता के लिए उनके योगदान को कृतज्ञतापूर्वक स्मरण किया। इस अवसर पर समाज अध्यक्ष दीपक कर्पे ने कहा कि वीर सावरकर ने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने पोर्ट ब्लेयर स्थित सेल्युलर जेल में सावरकर पर हुए अमानवीय एवं असह्य अत्याचारों का उल्लेख करते हुए उनके अदम्य साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति को प्रेरणास्रोत बताया।

ईदगाह पर ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की अमन चैन व देश की तरक्की के लिए मांगी दुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भौरासा

ईद-उल-अजहा (बकरा ईद) का पर्व इस वर्ष भौरासा में मुस्लिम समाज द्वारा हर्षोल्लास और धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। परंपरागत रूप से तालिब शाह बाबा की दरगाह से एक भव्य जुलूस निकाला गया, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए ईदगाह पहुंचा। जुलूस में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग शामिल हुए।ईदगाह पर जामा मस्जिद बड़ा मोहल्ला के पेश इमाम मौलाना मोहम्मद जाबिर रजा ने ईद की नमाज अदा कराई। वहीं नन्हा मोहल्ला मस्जिद ग्राउंड पर काजी अब्दुल वहाब खान साहब ने नमाज का नेतृत्व किया। नमाज के बाद देश में अमन, शांति, भाईचारे और भारत की तरक्की के लिए विशेष दुआ की गई।इमाम मोहम्मद जाबिर रजा एवं काजी अब्दुल वहाब खान ने अपने संदेश में कहा कि ईद का यह मुकद्दस दिन अल्लाह का शुक्र अदा करने, गरीबों और यतीमों की मदद करने तथा प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देने का संदेश देता है। उन्होंने पैगंबर हजरत मोहम्मद मुस्तफा के बताए रास्ते पर चलने और एक-दूसरे का ख्याल रखने की सीख दी।जुलूस एवं नमाज के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए भौरासा थाना प्रभारी अनिता सिंह, प्रधान आरक्षक वीरेंद्र सिंह राजपूत सहित पुलिस बल तैनात रहा।इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मिथुन यादव, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नगजीराम यादव, नगर कांग्रेस अध्यक्ष रमेशचंद ईनानी, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष राजेंद्र यादव, पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष जीवन सिंह ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने मुस्लिम समाज का स्वागत कर ईद की शुभकामनाएं दीं।इसके बाद आजाद चौक पर नगर परिषद अध्यक्ष संजय जोशी, उपाध्यक्ष जयसिंह ठाकुर राणा, परिषद कर्मचारियों एवं पार्षदों ने काजी साहब और इमाम साहब का साफा बांधकर सम्मान किया तथा ईद की मुबारकबाद दी।

नाथ समाधि के पास माता टेकरी पर आग लगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ देवास

प्रसिद्ध माता टेकरी पर गुरुवार दोपहर एक बार फिर आग लगने की घटना सामने आई। यह घटना नाथ समाधि के पास हुई, जिस पर समिति सदस्यों और स्थानीय लोगों ने 15 से 20 मिनट में काबू पा लिया। नायब तहसीलदार कपिल गुर्जर भी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में सहयोग किया। आग अचानक भड़क उठी, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। यह उल्लेखनीय है कि टेकरी पर पहले भी आग लगने की बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें काफी नुकसान हुआ था। हालांकि, इस बार समय रहते आग पर नियंत्रण पा लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। नायब तहसीलदार कपिल गुर्जर ने बताया कि आग छोटी थी और लगभग 10 से 15 मिनट में उस पर काबू पा लिया गया। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि टेकरी की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन द्वारा एक योजना तैयार कर ली गई है, जिसे जल्द ही लागू किया जाएगा।।

चालकों के आरटीओ से लाइसेंस निलंबित

देवास। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार जिले में परिवहन विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में जिला परिवहन अधिकारी निशा चौहान द्वारा दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्थाओं को सुरक्षित बनाने की दिशा में कई प्रकरणों का निराकरण करते हुए कार्रवाई की गई। मई माह में आए 26 प्रकरणों में वाहन चालकों के विरुद्ध लाइसेंस निलंबित करने की कार्रवाई की गई। 26 वाहन चालकों के विरुद्ध लाइसेंस निलंबित करने की कार्रवाई की गई।

मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ की कन्नौद ब्लॉक कार्यकारिणी घोषित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांटाफोड़

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांताध्यक्ष शलभ भदौरिया के निर्देशन एवं उज्जैन संभागीय अध्यक्ष मनोज जैन तथा देवास जिला अध्यक्ष अरविंद चौकसे के मार्गदर्शन में कन्नौद ब्लॉक कार्यकारिणी की घोषणा कर संगठन को नई मजबूती प्रदान की गई।

संघ द्वारा पिछले दिनों वरिष्ठ पत्रकार एवं सक्रिय समाजसेवी श्री रविंद्र परमार (कांटाफोड़) को कन्नौद ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। नियुक्ति के बाद उन्होंने संगठन के विस्तार एवं पत्रकार हितों को ध्यान में रखते हुए अपनी नई कार्यकारिणी का गठन किया। नई कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर बाबूलाल चौधरी (बिचकुआं), आकाश सेठी (पानीगांव) एवं आनंद योगी (सतवास) को नियुक्त किया गया है। वहीं संगठन की आर्थिक व्यवस्थाओं को सुदृढ़ रखने हेतु कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी राजकुमार मोदी (कन्नौद) को सौंपी गई है। इसके अलावा सचिव पद पर मनोज डाबी (लोहारदा) तथा सहसचिव पद पर अरविंद भूतड़ा (लोहारदा) को नियुक्त किया गया है। नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष रविंद्र परमार ने कहा कि संगठन द्वारा जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है, उसका पूरी ईमानदारी एवं सक्रियता के साथ निर्वहन किया जाएगा।

श्रीमद भागवत कथा में कृष्ण जन्म पर थिरके श्रद्धालु, भक्ति का सैलाब उमड़ा

कथा में नित्य प्रतिदिन हो रहा प्रातः वैदिक पूजन व अभिषेक

हरिभूमि न्यूज ⏭ देवास

महाराष्ट्र समाज धर्मशाला में श्री औदुम्बर वरिष्ठ नागरिक मंच के तत्वाधान में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन गुरुवार को भागवताचार्य पं. डॉ. दीपेश पाठक महाराज ने भगवान वामन अवतार, और समुद्र मंथन की कथा सुनाकर भक्तों को भावविभोर कर दिया। इसके बाद, उन्होंने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की कथा का वर्णन किया, जिसे बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उन्होंने कहा कि बलि ने अपना सब कुछ भगवान को अर्पित कर दिया, जिसके कारण भगवान चार महीने के लिए उनके पास सुतल लोक में निवास करते हैं। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की धूमः कथा के अंतिम चरण में, पं पाठक ने मथुरा में कंस के कारागार में श्रीकृष्ण के प्रकट होने की लीला का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भगवान चतुर्भुज रूप में प्रकट हुए और अपने माता-पिता, देवकी और वासुदेव, को पूर्व जन्म की लीलाओं का स्मरण कराया। इसके बाद, उन्होंने बाल रूप धारण किया, और वासुदेव उन्हें गोकुल ले गए। गोकुल में श्रीकृष्ण के आगमन पर नंदलाल का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। भक्तों ने 'छैल लुटाई' और बधाई गीत गाकर इस आनंदमयी उत्सव में हिस्सा लिया तत्पश्चात आरती कर प्रसादी का वितरण किया गया । इस अवसर पर बड़ी सँख्या में महिला एवं पुरुषों ने कथा श्रवण की। सिंध हिन्दू पंचायत के पदाधिकारियों ने महाराज का स्वागत कर आशीर्वाद लिया तथा विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों , इंदौर,उज्जैन, आष्टा राऊ रँगवास से समाजजन ने भागवत कथा में उपस्थित रहकर धर्मलाभ लिया। उक्त आयोजन का सफल संचालन वरिष्ठ नागरिक मंच के अध्यक्ष महेंद्र उपाध्याय द्वारा किया गया एवं आभार संयोजक जयंत शर्मा द्वारा व्यक्त किया गया। नगर पुरोहित पंडित मनीष पाठक ने बताया की अधिकमास के पवित्र माह में आयोजित भागवत सप्ताह में प्रतिदिन देव एवं पितृ पूजन,अभिषेक मुख्य यजमान महेंद्र दुबे, जयंत शर्मा, महेंद्र जोशी, प्रकाश चौधरी, सुनील दुबे द्वारा वैदिक आचार्य पं. मनीष पाठक व विप्रजनों के मार्गदर्शन में नित्य प्रतिदिन संपन्न हो रहा हैं। भागवत सप्ताह के चतुर्थ दिवस पर कृष्ण जन्मोत्सव पर कृष्ण के जन्म की जीवंत प्रस्तुति महिला मंडल की कोमल दुबे के मार्गदर्शन में प्रस्तुत की गई।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित

सीहोर। जिले में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वर्ष 2026 हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा यह पुरस्कार उन बच्चों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने खेल, कला एवं संस्कृति, वीरता, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, नवाचार, सामाजिक सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल की हों। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के पात्र बच्चे प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु ऑनलाइन आवेदन एवं नामांकन कर सकते हैं। इच्छुक आवेदक राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज एवं उपलब्धियों का विवरण संलग्न करना अनिवार्य होगा। इस पुरस्कार का उद्देश्य बच्चों की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना एवं उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करना है। अधिक जानकारी के लिए बाल संरक्षण अधिकारी, महिला एवं बाल विकास कार्यालय जिला सीहोर के कक्ष क्रमांक-146 पर संपर्क किया जा सकता है।

तीर्थ यात्रा के आवेदन की अंतिम तिथि आज

सीहोर। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत 13 जून से 18 जून 2026 तक सीहोर जिले के 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को वैष्णो देवी की तीर्थ यात्रा कराई जाएगी। वैष्णो देवी की तीर्थ यात्रा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 मई 2026 है। आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट से प्राप्त कर पोर्टल के माध्यम से ही दर्ज किए जा सकते हैं। निर्धारित कोटे से अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में पात्र आवेदकों का चयन लॉटरी के माध्यम से होगा।

गोलूखेड़ी में मेरा गांव मेरा गौरव योजना के तहत किसान पाठशाला आयोजित

सोयाबीन में संतुलित उर्वरक उपयोग और जैविक खेती पर किसानों को दी जानकारी

किसानों को सोयाबीन फसल में संतुलित उर्वरक उपयोग, प्रमाणित बीज चयन, आधुनिक खेती तकनीकों तथा जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोठरी

इछावर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम गोलूखेड़ी के ग्राम पंचायत भवन में "मेरा गांव मेरा गौरव" योजना अंतर्गत किसान पाठशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिकों, कृषि विभाग के अधिकारियों एवं प्रगतिशील किसानों ने किसानों को सोयाबीन फसल में संतुलित उर्वरक उपयोग, प्रमाणित बीज चयन, आधुनिक खेती तकनीकों तथा जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया।

किसानों को किया जागरूक

कार्यक्रम में कृषि विभाग आष्टा के वरिष्ठ कृषि विकास विस्तार अधिकारी बहादुर सिंह मेवाड़ा ने किसानों को खेतों की नरवाई नहीं जलाने के फायदे बताए। उन्होंने कहा कि नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है, जबकि बिना नरवाई जलाए भी बेहतर उत्पादन लिया जा सकता है। उन्होंने प्रगतिशील किसान संतोष मंडलोई का उदाहरण देते हुए कहा कि वैज्ञानिक तरीके अपनाकर बिना नरवाई जलाए भी अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने किसानों को मिलेट (मोटा अनाज) खेती अपनाने की सलाह देते हुए बताया कि मोटे अनाज पोषण की दृष्टि से लाभकारी हैं। साथ ही किसानों को दैनिक जीवन में 20 किलो गेहूं में 1 किलो सोयाबीन मिलाकर उपयोग करने की सलाह दी गई, क्योंकि सोयाबीन में प्रोटीन एवं अन्य पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। कृषि विस्तार अधिकारी अस्मिता सिंह ठाकुर (इछावर) ने किसानों को उर्वरक खरीद के लिए पंजीयन एवं ई-टोकन प्रणाली की जानकारी दी, जिससे समय पर खाद उपलब्ध हो सके। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत गोलूखेड़ी के सरपंच मंशाराम, पत्रकार कृष्णा पटेल, दिनेश कुमार कर्मोदिया, जयनारायण वर्मा पूर्व कृषि विस्तार अधिकारी रमेश बिल्लोरिया सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे।

संतुलित उर्वरक उपयोग पर जोर

कार्यक्रम में आईसीएआर-एनएसआरआई के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. बी.यू. दुपारे ने किसानों को संस्थान की कृषक उपयोगी योजनाओं की जानकारी देते हुए सोयाबीन फसल में नत्रजन (नाइट्रोजन), फास्फोरस, पोटाश एवं सल्फर जैसे प्रमुख पोषक तत्वों के साथ जस्ता और मोलीबडेनम जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों का संतुलित मात्रा में उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने किसानों को बाजार में महंगे दामों पर बिक रही उन नई सोयाबीन किस्मों से सावधान रहने को कहा, जो अभी अनुसंधान केंद्रों से पूर्ण रूप से अधिसूचित (नोटिफाइड) नहीं हुई हैं। साथ ही किसानों से प्रमाणित बीज खरीदने का आग्रह करते हुए कहा कि इससे फसल की गुणवत्ता बेहतर रहती है और नुकसान की संभावना कम होती है।

उर्वरक प्रबंधन की दी जानकारी

संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. गिरिराज कुमावत ने किसानों को सोयाबीन फसल के लिए अनुशंसित उर्वरकों का संतुलित उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक तरीके से उर्वरक प्रबंधन करने से उत्पादन क्षमता बढ़ती है तथा मिट्टी की उर्वरा शक्ति लंबे समय तक बनी रहती है। उन्होंने किसानों को बीबीएफ (ब्रॉड बेड फरो) पद्धति से बोनी करने की सलाह देते हुए कहा कि इससे फसल में जल निकासी बेहतर होती है तथा नमी संरक्षण बना रहता है, जिससे उत्पादन में वृद्धि संभव होती है। सिंचाई सुविधा उपलब्ध होने पर किसान बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

नई किस्मों पर चर्चा

डॉ. वी. नटराज ने सोयाबीन किस्म विकास प्रणाली की जानकारी देते हुए बताया कि अनुसंधान केंद्रों में अधिक उत्पादन देने वाली, कीट एवं रोग प्रतिरोधी तथा जलवायु सहिष्णु किस्मों के विकास पर लगातार कार्य किया जा रहा है, ताकि बदलते मौसम के अनुरूप किसानों को बेहतर विकल्प मिल सकें। कोठरी तहसील आष्टा के प्रगतिशील जैविक किसान संतोष कुमार ने जैविक खेती में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी साझा करते हुए किसानों से धीरे-धीरे जैविक खेती अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जैविक खेती की ओर कदम बढ़ाना जरूरी है। किसान प्रशिक्षण में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को वैज्ञानिक खेती, संतुलित उर्वरक उपयोग, प्रमाणित बीज चयन, आधुनिक कृषि तकनीकों तथा जैविक खेती के प्रति जागरूक करना रहा।

जर्जर बसों के कारण 70 किमी का सफर 3 घंटे में हो रहा पूरा

धीमी गति के कारण यात्री हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरूंदा

भैरूंदा से जिला मुख्यालय सीहोर तक की महज 70 किलोमीटर दूरी आज भी यात्रियों के लिए राहत नहीं, बल्कि परेशानी का कारण बनी हुई है। जहां इस दूरी को सामान्यतः डेढ़ से दो घंटे में आसानी से तय किया जा सकता है, वहीं इस मार्ग पर संचालित बसें आज भी करीब 3 घंटे का समय ले रही हैं। सड़क निर्माण और अधोसंरचना में सुधार के बावजूद बस संचालन व्यवस्था में कोई बदलाव नजर नहीं आ रहा, जिससे यात्रियों को रोजाना मानसिक और शारीरिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सड़क बेहतर होने के बाद भी बसों का संचालन वर्षों पुराने टाइम टेबल पर ही हो रहा है। बस चालक रास्ते में छोटे-बड़े स्टॉपेज पर अनावश्यक रूप से लंबे समय तक बसें खड़ी रखते हैं और धीमी गति से वाहन चलाते हैं, जिससे सफर अनावश्यक रूप से लंबा हो जाता है। परिणामस्वरूप नौकरीपेशा लोगों को कार्यालय पहुंचने में देरी होती है, वहीं विद्यार्थियों को परीक्षाएं तक छूटने का खतरा बना रहता है। इस मार्ग पर चलने वाली अधिकांश बसें जर्जर और खटारा स्थिति में हैं। बसों के भीतर सीटें टूटी हुई, गद्दियां फटी हुई और लोहे के हिस्से बाहर निकले हुए मिलते हैं। कई बसों में खिड़कियों के कांच तक नहीं हैं, वहीं इमरजेंसी गेट या तो बंद कर दिए गए हैं या उनके सामने अतिरिक्त सीटें लगा दी गई हैं। ऐसे में किसी भी आपात स्थिति में यात्रियों की जान खतरे में पड़ सकती है, लेकिन इसके बावजूद यात्रियों को मजबूरी में इन्हीं बसों से सफर करना पड़ रहा है। यात्रियों में सबसे ज्यादा आक्रोश इस बात को लेकर है कि बस संचालक शासन द्वारा निर्धारित पूरा किराया तो वसूलते हैं, लेकिन बदले में न तो सुविधा मिलती है और न ही सुरक्षा। खराब स्थिति वाली बसों में सफर करना यात्रियों के लिए किसी जोखिम से कम नहीं है। स्थानीय नागरिकों और नियमित यात्रियों का कहना है कि जब सड़क खराब थी, तब 3 घंटे का समय उचित था, लेकिन अब बेहतर सड़क होने के बावजूद वही समय लागू रहना पूरी तरह अनुचित है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बसों के समय चक्र में बदलाव किया जाए और नई, आधुनिक बसों का संचालन शुरू किया जाए, ताकि यह सफर अधिकतम 1.5 से 2 घंटे में पूरा हो सके। प्रदेश सरकार द्वारा ई-बसों के संचालन की योजना को देखते हुए क्षेत्रीय लोगों ने इस मार्ग पर सरकारी बसें शुरू करने की मांग भी उठाई है। उनका मानना है कि यदि सरकारी स्तर पर बस सेवा शुरू होती है, तो न केवल समय की बचत होगी, बल्कि यात्रियों को सुरक्षित और बेहतर सुविधा भी मिल सकेगी। अनुविभागीय अधिकारी सुधीर कुमार कुशवाहा ने बताया कि भैरूंदा-सीहोर मार्ग पर बसों के पुराने टाइम टेबल और जर्जर वाहनों की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। इस संबंध में आरटीओ को पत्र लिखकर जल्द ही बसों की फिटनेस, परमिट और सुरक्षा उपकरणों की जांच कराई जाएगी।

गोविंदजाने पहुंचे विधायक कार्यालय, किया स्वागत-सम्मान

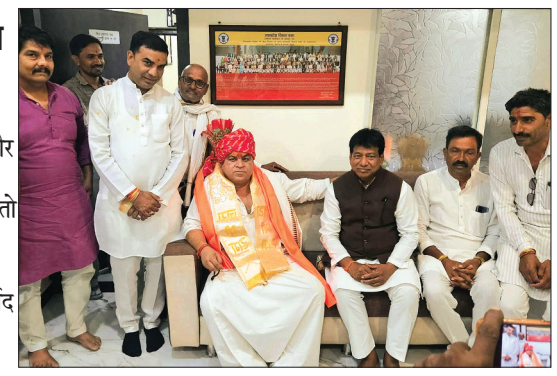

आष्टा । ग्राम ग्राम में पूरे क्षेत्र में विकास की गंगा बहाने वाले आष्टा विधायक गोपालसिंह इंजीनियर को निश्चित एक ओर जहां क्षेत्र के विकास की चिंता होती है, वही गौमाता की भी वो उतनी ही चिंता करते है,ये विधायक का गौमाता की सेवा और उनकी चिंता उनके गौ प्रेम को दर्शाता है,आष्टा विधायक जो कहते है,वो करते भी है,विगत 15 वर्षों से दस्ताखेड़ी गौमाता की सेवा में आ रहे है। गोविंदजाने ने कहा में तो वैसे दूसरी विधानसभा क्षेत्र का हूं। फिर भी गौशाला में विधायक हर वर्ष सेवा करते है। गोविंद जाने ने कहा विधायक जी आपका परिवार,पूरा विधानसभा क्षेत्र के सभी नागरिक सुखी रहें,सम्पन्न रहें,धन,धान्य से सम्पन्न हों,सभी निरोगी हों यही आशीर्वाद देने आया हुं। विधायक कार्यालय पहुंचे संत गोविंदजाने का विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने भव्य अगवानी कर उनको नमन किया और आशीर्वाद लिया।

फिर एक जैन संत सड़क हादसे का हुए शिकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

शुक्रवार को जिनशासन के एक रत्न,बड़े महात्मा का कार्लधर्म रोड़ एक्सीडेंट हुआ है, इससे पूरे जिनशासन व भुवनभानु समुदाय को बहुत भारी नुकसान है। जैन समाज के लिए गुरुवार सुबह एक और अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक समाचार सामने आया। परम पूज्य आचार्यश्री अजीतशेखर सूरी जी म.सा.के शिष्यरत्न परम पूज्य पन्यास प्रवर श्री ओंकारशेखर विजय जी म.सा.का 28 मई को सुबह 5.30 बजे विहार के दौरान एक्सीडेंट में चोटीला गांव राजकोट, गुजरात के पास कालधर्म हुआ। यह समाचार सुनते ही आष्टा जैन समाज में शोक की लहर छा गई। जैन समाज के नरेंद्र गंगवाल ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि अजितशेखर सूरी जी महाराज साहब के शिष्यरत्न पंन्यास प्रवर श्री ओंकारशेखर विजयजी महाराज साहब का गुजरात के राजकोट के समीप चोटीला क्षेत्र में विहार के दौरान सड़क दुर्घटना में देवलोकगमन हो गया। घटना के बाद पूरे जैन समाज में शोक, पीड़ा और आक्रोश का वातावरण व्याप्त है। लगातार जैन संतों के साथ हो रहे सड़क हादसों ने एक बार फिर संतों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिए हैं। जैन संत अहिंसा, संयम और पैदल विहार की परंपरा का पालन करते हुए नगर-नगर भ्रमण करते हैं, लेकिन तेज रफ्तार वाहनों और लापरवाह यातायात के बीच उनका विहार लगातार जोखिम भरा बनता जा रहा है। समाजजनों का कहना है कि पिछले कुछ समय में जैन संतों एवं साध्वियों के साथ सड़क दुर्घटनाओं की घटनाएं लगातार बढ़ी हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस सुरक्षा व्यवस्था दिखाई नहीं दे रही। संतों के विहार मार्गों पर सुरक्षा, यातायात नियंत्रण और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी की मांग लंबे समय से उठती रही है। जैन समाज के वरिष्ठजनों ने कहा कि यह केवल एक समाज की पीड़ा नहीं, बल्कि देश की आध्यात्मिक परंपरा पर आघात है। संत समाज त्याग, तप और धर्म का संदेश लेकर पैदल विहार करता है, ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना शासन और समाज दोनों की जिम्मेदारी है। घटना के बाद विभिन्न जैन संगठनों एवं श्रद्धालुओं ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। समाजजनों ने मांग की है कि संतों के विहार मार्गों पर विशेष सुरक्षा प्रोटोकॉल बनाए जाएं, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

सुख-दुख में घबराना नहीं चाहिए: कमल किशोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

आष्टा की नई मंडी में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन संत कमल किशोर नागर जी ने भक्तों को जिंदगी जीने का सही तरीका समझाया। उन्होंने कहा कि सुख और दुख तो मौसम की तरह आते-जाते रहते हैं, इसलिए इंसान को इन दोनों ही स्थितियों में घबराना नहीं चाहिए और मन को शांत रखना चाहिए।

नागर जी ने अपने प्रवचन में कहा कि इंसान को हर हाल में भगवान पर भरोसा रखना चाहिए। उन्होंने समझाया कि अगर सुख मिले तो इंसान को अहंकारी नहीं होना चाहिए और अगर दुख आए तो निराश होकर बैठना नहीं चाहिए। उनके मुताबिक, जो व्यक्ति सब कुछ भगवान की मर्जी मानकर स्वीकार कर लेता है, उसे कभी कोई परेशानी दुखी नहीं कर सकती।

प्रभु से की एक खास विनती

कथा के दौरान उन्होंने एक बहुत ही सुंदर प्रार्थना के बारे में बताया: 'प्रभु सुख इतना देना कि पांव ना छूटे और दुख इतना देना कि गांव ना छूटे।' इसका मतलब यह है कि भगवान हमें इतना सुख न दे दें कि हम जमीन छोड़कर हवा में उड़ने लगें (भटक जाएं), और इतना दुख भी न दें कि हमें अपना घर-गांव छोड़कर कहीं और जाना पड़े। जीवन में संतुलन बना रहना सबसे जरूरी है।

हवा से गिरा टेंट, मची अफरा-तफरी

कथा के दौरान ही अचानक तेज हवा चली, जिससे पंडाल का एक हिस्सा नीचे गिर गया। टेंट गिरते ही एक बार तो वहां भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और लोग डर गए। हालांकि, आयोजन समिति के लोगों ने तुरंत पहुंचकर हालात संभाले और टेंट को फिर से खड़ा करवाया, तब कहीं जाकर कथा दोबारा शुरू हो पाई।

भक्ति में लीन हुए हजारों लोग

संतश्री की बातों ने वहां मौजूद हजारों लोगों का दिल जीत लिया। पूरा पंडाल जयकारों और भजनों से गूंज उठा। लोग भक्ति के माहौल में पूरी तरह डूबे नजर आए और बड़े चाव से नागर जी की बातें सुनीं।

ट्राइडेंट ग्रुप की सामाजिक पहल बनी ग्रामीण महिलाओं का सहारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बुधनी

अंतरराष्ट्रीय मासिक धर्म स्वच्छता दिवस एवं महिला स्वास्थ्य जागरूकता दिवस के अवसर पर ट्राइडेंट ग्रुप की सीएसआर इकाई द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के अंतर्गत मधुबन हॉस्पिटल के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य एवं जागरूकता को समर्पित विशेष स्वास्थ्य अभियान का सफल आयोजन किया। यह अभियान पद्मश्री राजिंदर गुप्ता एवं मधु गुप्ता के मार्गदर्शन में संपन्न हुआकार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना तथा महिला स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था अभियान के तहत महिलाओं को निःशुल्क चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया गया साथ ही हीमोग्लोबिन, शुगर एवं थायरॉइड जांच भी निःशुल्क की। अभियान के दौरान महुकला, ग्वाडिया एवं पतालखो सहित आसपास के गांवों में जागरूकता गतिविधियां संचालित की गईं प्रचार वाहन,पंपलेट वितरण एवं संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया इसी क्रम में ग्वाडिया गांव में विशेष मासिक धर्म स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया जिसमें महिलाओं को मासिक धर्म स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी गई तथा सेनेटरी पैड का वितरण भी किया। शिविर में 75 महिलाओं ने भाग लेकर स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।136 महिलाओं ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। पहल महिलाओं के स्वास्थ्य, सम्मान व जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में ट्राइडेंट ग्रुप की सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

संत सम्मेलन में पं. धीरेंद्र शास्त्री आएंगे, 2 से 8 जून तक होगा रुद्राक्ष महोत्सव

कार्यक्रम स्थल पर विधायक और अधिकारियों ने देखी तैयारियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

कन्नौद रोड स्थित मुकाती बावड़ी परिसर में 2 से 8 जून तक बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर की कथा और रुद्राक्ष महोत्सव होगा। गुरुवार को आयोजन की तैयारियों का स्थानीय विधायक और प्रशासनिक अधिकारियों ने जायजा लिया। एसडीएम नितिन कुमार टाले और एसडीओपी दामोदर गुप्ता ने आयोजन स्थल पर सुरक्षा, यातायात और जनसुविधाओं की समीक्षा की। इस आयोजन में बागेश्वर धाम पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री सहित देश के कई प्रतिष्ठित संत शामिल होंगे।

वाटरप्रूफ टेंट लगाने दिए निर्देश

निरीक्षण के दौरान एसडीएम नितिन कुमार टाले ने आयोजक संजीव सोनी 'पांचम' को विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोजन खेत की भूमि पर हो रहा है, इसलिए प्री-मानसून की संभावना को देखते हुए टेंट की व्यवस्था अत्यंत सुदृढ़ और व्यवस्थित होनी चाहिए। प्रशासन ने सभी विभागों को समन्वय बनाकर समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के आदेश दिए हैं ताकि श्रद्धालुओं को परेशानी न हो।

सामूहिक विवाह मुख्य आकर्षण

आयोजन समिति के अनुसार, 2 से 8 जून तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक कथा का प्रवाह होगा। इस दौरान 11 लाख रुद्राक्षों का महोत्सव मनाया जाएगा। साथ ही, इसी अवधि में 101 कन्याओं का निःशुल्क सामूहिक विवाह समारोह संपन्न कराया जाएगा। आयोजन को लेकर क्षेत्र के श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम

प्रशासनिक टीम ने आयोजन स्थल पर भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए विद्युत आपूर्ति, पेयजल और पार्किंग व्यवस्था का निरीक्षण किया। सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस बल की तैनाती और सीसीटीवी कैमरों की योजना बनाई गई है। निरीक्षण के समय आयोजन समिति के पदाधिकारी और विभिन्न विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

व्यवस्थाओं का लिया जायजा

क्षेत्रीय भाजपा विधायक गोपाल इंजिनियर ने भी कथा स्थल पहुंच कर आयोजन समिति से व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान विधायक गोपाल इंजिनियर ने पुलिस और प्रशासन को कथा को लेकर उचित दिशा निर्देश भी दिए और आयोजन समिति को कथा के लिए हर संभव मदद और सहयोग की बात कही। आयोजन को लेकर लोगों में उत्साह है।

डंपर की टक्कर से दो गौवंश की मौत, चालक वाहन सहित फरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरूंदा

नगर में तेज रफ्तार वाहनों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। इंदौर मार्ग स्थित नहर चौराहा-सीहोर रोड पर गुलाब विहार कॉलोनी के सामने शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां सड़क किनारे बैठी दो गौवंश को एक अज्ञात तेज रफ्तार डंपर ने कुचल दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक डंपर सहित मौके से फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार डंपर तेज गति से आ रहा था और चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिससे सड़क किनारे बैठी गायें उसकी चपेट में आ गईं। घटना के बाद लोगों में आक्रोश है, सूचना मिलते ही हिंदू संगठन के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची थाना भैरुंदा पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। नगर परिषद की टीम को बुलाकर मृत गौवंश को हटवाया गया। पुलिस द्वारा अज्ञात डंपर की तलाश शुरू कर दी गई है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि वाहन की पहचान की जा सके।थाना प्रभारी घनश्याम दांगी ने बताया कि अभी तक इस मामले में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृत गौवंश आवारा थे। पुलिस अज्ञात वाहन और चालक की तलाश में जुटी हुई है।इधर, स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि शहर में तेज रफ्तार वाहनों पर सख्ती से नियंत्रण किया जाए और प्रमुख मार्गों पर निगरानी बढ़ाई जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।